



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—संख्या 3—उप-संख्या (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रापिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 403]

नई विल्लो, सोमवार, अक्टूबर 12, 1992/आश्विन 20, 1914

No. 403]

NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 12, 1992/ASVINA 20, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे इक यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

**Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation**

पत्र-मतल एवं विवरण मत्र लिख

(पत्रनाम)

प्रधिकारी

नई विल्लो, 12 अक्टूबर 1992

अनुसूची

काडल। पोर्ट ट्रस्ट

महापत्रन २०१८ अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की घटा 28
द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कडला पोर्ट का न्यासी मंडल
एवं द्वारा लिमिनियल विभिन्न बनाता है, अर्थात्—

१. मधिष्ठा एवं प्रारम्भ तथा लागू होना।

(१) ये विनियम कडला पोर्ट पाइपलाइन (प्रशिक्षण, श्रेणीकरण तथा
वरित्तन) विनियम, 1991 के जायें।

(२) ये कडला पाइपलाइन ने प्रशिक्षणार्थी पाठ्यनाम पर लागू।

२. परिभाषा।—

इन विनियमों जब तक विभाग से आनंद अपेक्षित, तब ही

(क) "प्रशिक्षण" से महा न्यासी न्यासी यम, 1963 (1963
का 38) समय-नयन व विभाग ने आमों होगा।

(घ) "बाई" से कडला पार्ट न्यासी मंडल अभियोग होगा।

ग. का. नं. ५०३/प्र।—केंद्र सरकार महा न्यास अधिनियम
1963 (1963 का 38) का घटा 132 की उपाया (१) के साथ
पठित घटा 134 का उपाया (१) द्वारा प्रदत्त शक्ति या
का प्रयोग करते हुए कडला पत्र संख्या मंडल द्वारा बनाता
हो और इस अधिसूचना के साथ मलमें अनुमति से कडला पत्र
पाइपलाइन (प्रशिक्षण श्रेणीकरण तथा वरित्तन) विनियम 1991
का अनुमोदन करता है।

उक्त विनियम इन अधिकारों के सरकार राजाच में प्रकाशन का
तारीख को प्रवत्त होगी।

(ग) "अधिकारी" से कंडला पोर्ट का अध्यक्ष अभिप्रेत होगा।

(घ) "कंडला पाइलट सेवा" से कंडला पोर्ट के व्यापों मेंडल डारा गटिन सेवा अभिप्रेत होगी।

(ङ) "उप संरक्षक, समृद्धि विभाग" से ऐसा अधिकारी अभिप्रेत होगा जिसमें गाइलट कार्य के निदेश तथा प्रबंध निहित है।

(च) "हार्डर मास्टर" से ऐसा अधिकारी अभिप्रेत होता जो बोर्ड डारा नयुक्त है तथा ऐसी ड्यूटी को पूरा करता है जो कि ममय-ममय पर उप संरक्षक द्वारा नियत की जाती है।

(छ) "सेवा" से कंडला पाइलट सेवा अभिप्रेत होगा।

(ज) "मुख्य निकित्सा अधिकारी" से ऐसा अधिकारी अभिप्रेत होगा जो केंडला पोर्ट में उत्तराधारन, यह पद धारण किए हुए हैं।

(झ) "नियुक्ति प्राधिकारी" उसी अर्थ में अभिप्रेत होगा जैसा कि कंडला पोर्ट (वर्ती वर्ल्ड्लाना तथा पदवाति) विनियम में प्रथाविहित है।

३. प्रवेश योग्यता एः—

कंडला पाइलट सेवा में प्रवेश पाने हेतु निर्मानिकान् में से कोई एक योग्यता हेतु आवश्यक है, यथा —

(i) भास्टर (विदेशगामी) के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र।

अथवा

(ii) हेज मास्टर ब्रेड I/प्रथम ब्रेड (विदेशगामी) के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र।

अथवा

(iii) हेज ब्रेड ब्रेड I/द्वितीय ब्रेड (विदेशगामी) के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र।

(iv) टी. एस. राजेन्द्र का प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण करने का प्रमाणपत्र।

अथवा

(v) अनिवार्य विवर के रूप में औपचारिक तरा गणित में 50% अंकों सहित मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री।

अथवा

(vi) प्रथम श्रेणी में अभियांत्रिकी स्नानक।

त्रिपुणि

पाइलट सेवा के उम्मीदवार को शारीरिक स्वस्थता प्रमाणनद
ऐसे चिकित्सा प्राधिकारों से प्राप्त करना होगा, जिसे बोर्ड द्वारा
इस प्रयोजनार्थ निर्वाचित किया गया हो।

आयु गोमा :— (1) ई. एस. राजेन्द्र तथा स्नातक प्रविष्टि योजना के अधीन प्रशिक्षणाथियों के लिए 26 वर्ष से कम अभियात्रिकों उम्मीदवारों के लिए 28 वर्ष ।

(2) अन्य उमीदवारों के लिए 35 वर्ष से कम।

4. श्रेणी पदलास :-

(1) कड़वा टाइट बेग में भ्राते वाला प्रशंसनीय पाइलट कहा गया।
 5. मास्टर (विदेशी नाम) के हृति में सक्षमता प्रमाणात्र व्याख्या करने वाले विदेशी टाइट बेग वाले

(i) मास्टर (विदेशी) के रूप में सत्रमता प्रमाणपत्र धारण करने वाले प्रशिक्षणार्थी को बरिष्ठ पाइलट नवा हावैर मास्टर के साथ कम से कम एक माह का अध्ययन तक कंडला पोर्ट के पहुँच मार्गों में तथा उसके चारों ओर व उसको खाड़ी में नविक कला तथा नौचालन का अनभव प्राप्त करने हेतु अवृत्त सरणि

पार करने महेन जब तक वह कम से कम 30 पाइलट कार्य पूरे कर लेता है, जो भी पहले हो, प्रशिक्षण लेता होगा। प्रशिक्षण को भवानि पर यदि प्रशिक्षणार्थी को हाँवर मास्टर द्वारा सिकारिश को जाती है, बशर्ते कि उस संशक्त द्वारा अनुमोदित हो तो सीमित पाइलट अनुबिंध प्रदान करने के लिए परीक्षण किए जाने हेतु आवेदन कर सकता है।

(11) समिति पाइलट के रूप में दो माह की अतिरिक्त अवधि समाप्त करने के बाद हावर मास्टर की सिफारिश पर वह परीक्षा बोईं, जिसमें भारतीय लहज़ का मास्टर, हावर मास्टर तथा उप संरक्षक समिलित होंगे, के समक्ष प्रस्तुत होगा।

(iii) उत्तर्युक्त परीक्षा उत्तीर्ण करते, श्री उनकी लिफारिस्म पर वह उमोदवार परिवेक्षात्मक पाइलट के रूप में भर्ती होने का पात्र होगा।

6 प्रथम श्रेणी (एफ. जी.)/डेज मास्टर प्रथम श्रेणी के रूप में सक्षमता प्रमाणात्व धारण करने वाले प्रशिक्षणार्थी गाड़ियट।

(i) प्रथम भेट (एक जो) /ड्रेक मास्टर प्रथम श्रेणी के रूप में संश्लिष्ट प्रमाणित धारा करने वाले प्रशिक्षणार्थी पाइलटों को बिल्डिंग पाइलट यथा हार्डर मास्टर के लाई नौवीक करता तथा नौवालन का अनुब्रव प्राप्त चरण के लिए कड़जा पोइंट के दृढ़च मार्गों में तथा उसके चारों ओर, और उपक खाड़ी में तीन माह का अवधि तक सेवा करवी हो जिसके द्वारा उसे कम से कम 150 कार्यपूरे करने हो। उसके पश्चात हार्डर मास्टर को सिफारिश तथा उस संस्थक के अनुमोदन पर सीमित पाइलट कार्य अनुब्रिति प्रदान करने के लिए परक्षण किया जायगा जो कि उसके 11000 जी. प्रार. टी. के जलयानों को दिन के समय में श्रो. टी. बो., से भीतरी हार्डर तक तथा प्रतिलोमक पाइलट करने के लिए प्राधिकृत करेगा।

(ii) सेमिट ग्रन्जित के स्वतंत्र पाइलट के रूप में उह महेनों की समाप्ति पर उसे एक परोक्ष बोड़, जिसमें भारतीय जहाज का मास्ट, हार्डर मास्टर तथा उन संरक्षक समिलित होंगे, के समूचे उपरित्य होना पड़ेगा।

(3) उत्तरुक्ति परीक्षा। उनीं करते ग्रीष्म सिकारिया होने पर, वस्त्रोद्धार परिवेशालीयोंना पाइलट के रूप में ५०८ी होते का पात्र होगा।

७. प्रशिक्षणार्थी गाइलटजो द्वितीय मेट (एफ. जी.) ड्रेज मेट-।
के ला में सक्षमता का प्रमाणन्तर धारण करने वाला है।

(i) प्रशिक्षणार्थी पाइलट जो डिग्री प्रेट (एफ. जो.) / हेज मैट- [] के रूप में सक्षमता का प्रमाणात्र धारण करते हैं उन्हें वरिष्ठ पाइलटों और हार्डर मास्टर के साथ नौ महिनों को अवधि तक प्रशिक्षण देता होगा जिस दौरान उसे कंडला पीट के पहुंच मारी में तथा उसके चारों तरफ और उड़ानी खाड़ में नाविक कला और नीचालन में अनुबंध प्राप्त करने हेतु कम से कम 300 कार्य करते पड़े, तरंगवात हार्डर मास्टर को शिकारिश और ऊंट तंत्रज्ञक के अनुबंधन पर उसे लिया। पाइलट कार्य का अनुभव/ प्रदान करने हेतु उसको जरूरतम् किया जाएगा जो कि उसकी इन के समय थे आ. टा. बो. लेफ्टर्ने बाइरनहैंड विनियोग में 11000 जॉ. आर. टा. के जहाजों को पाइलट करने हेतु प्राप्तिकृत करेगा।

(ii) संभित अनुब्रह्मि के स्वतंत्र पादराट के रूप में उड़ महीनों का सम्भानि पर उसे एक परक्षा बोई, जिसमें भारतीय जहाज का मास्टर, हाँवर मास्टर तथा उस संरक्षक समिलित होने के समझ उपस्थित होना पड़ेगा।

(III) त्रिसूल पर धारण करने और गिरावट कर उत्पाद बार परियोगाधिन पाइलट बैठक में तीव्रता से उत्पन्न हुआ।

४ प्रशिकार्थी पाइट जे ट एस रेन्ड्र + प्रथम भेग म
चतुर्थ काम का प्रमाणपत्र धारण करते वाला हो।

(१) प्रायम् से दो हार्दिक वीरांशु निरुक्त पद्मन और शार्दिं
पर निवर्णण के महसूस घटते वा अभ्यास करते और उसके विवरण
तथा मान दर्शन वा प्राप्तिकरण इन के १३१ और १३२ का अनुग्रह
सक तोत बिजा आएगा। अत्यन्त इसमें दसहाई निर्धारित
की जाए। और १३२ के लिए इसे याद के सरज विना भ
प्रव चाहा तथा अक्षत अग्निमन करने पर १३१ कम्बर्ड भजा
जाएगा।

(1) नवर्षुक प्रक्षेत्रादि १० तग द्वा १२ प्रतिशतांशिया को जास्तीना त प्रभयि ५६ लिंग पार्टीटो १२ नवर्षांसामने २ साथ काम चलना हुआ। उसी तथांगत पर्यंत मास्त्रक नियम शैष्या उप प्रक्षेत्र के इन्हें पर्यंत अभिन ता कर कार्य प्रज्ञाप्ति। प्रशासन इसे हतु भो प्रक्षेत्रादि पर्यागती जाति ति डाक्टर दिल के समर्थन आ ट ब द से गतरी बदलता भया बालन द ११००० जा आर ड क भ्रमण भो ठाटा कापाड़ वाराणसी न प्राप्तिकर्ता कर।।

(11) राजि भवानि ५ मिनीट पाइरन ते था म अ
सहना ये प्रक्षेत्र वर्षी गा परक्षा ३०८ किलो मी. तय
का साइर हावर्ड भास्टा, नथा ३१ परक्षा ३५६८ ती हो ते गपक
संशोधित होए पैदा।

(IV) उत्तरकृत परमाणु उत्तरों की ओर और विद्युतिका तांत्रि पर उसमें द्वारा परिवर्तन क्षाधन पाइट के रूप में रखी जाती है।

१ सातक प्रविष्ट योजना के अवस प्रशंसणार्थी गाइडलाईक प्रश्नावली

(1) ऐसे प्रशिक्षणार्थी पाइलट घिरने का भलवा प्राप्त किया विद्यालय से अनिवार्य विषय के रूप में भासित विज्ञान और गणित में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ विज्ञान की डिप्लोमा सिल की है और प्रयोगशैली में उत्तीर्ण इन्जिनियर स्टाटक वा लाइकने पर छह महीनों के लिए गतुद्वा विषयों पर शैक्षणिक प्रशिक्षण हनुमंथन संस्थान में भेजा जाएगा।

(1) सत्यान में प्रशिक्षण समात करने के पश्चात् प्रशिक्षणार्थी वाइलटों का उस सत्यान मारा भाष्योजित परक्षा में सम्मिलित होना। यहेगा जिसमें द्वितीय मेट और प्रथम मेट परीक्षा के पाठ्यक्रम के संदर्भान्तर पहल समाविष्ट होने।

(iii) पर क्षण के सफलतापूर्वक समाप्ति और पाइलट परेक्षा उत्तीर्ण करने के बाद प्रशिक्षणाधिकों को कड़ला पोर्ट ट्रस्ट के ज़लयानों जैसे कि कर्य नौकराओं मर्ज़क्षण नौकराओं पाइलट नौवानों आदि या ट्रेनिंग कारपोरेशन आफ इन्डिया एवं फिर्स्टा, इंडिया पोर्ट पर राय करते हैं पर तीनात विद्या गति जेने लाइस करा और नौवानों भवनुक्त और घाटामा पात है पहुँच मात्र है और वाहनों खात्र वा शान पात है। उन्हें इन प्राप्त के तरीकों पर तीव्र व्यवस्था 18 वर्षों तक रखा रहा र तिथि और ऐसे नियन्त्रण करा मार्टी र लग्न घड़ियों का भी व्यवस्था करा रहा। शहर के इन्हीं तरीकों तक जाता है। जहाँ का पाइलट जी इन्हें नौवानों को करा जाता है वहाँ वे विभिन्न वर्ग, यात के उत्तरज्ञान से प्रभागी वा उत्तर अधिकारी, नौकरों को पात वहाँ हो रहाएँ भी जाता है।

(v) ऊपर बनाए गए प्रशिक्षण के समाप्ति पर प्रशिक्षणार्थीयों का अन्वेषणालय भरने लिपाईटमेंट (भारत सरकार) हारा आयोजित सेकेड मेट निविटेड परभा मस्मिनेज़ होका होगा।

(V) इन प्रकाश उत्तर करने पर, प्रश्नावाणियों को नीचे सूची नीचे दर्शाया गया है। इनमें से अधिक संख्या वाले उत्तर और उनके बारे में जानकारी दी गयी है।

(VII) यदि अन्तर्गत एकमात्र गड्डा ने अप में गहरी वा अमार्द पर तो उसको बोई दिया जाने वाला गड्डा ने अप में अपनी वास्तविक स्थिति दर्शायी होगी।

(VI) वा इन्हाँ नियम दर्शन कथा मिहारिणा पर यह उद्देश्य दर्शन प्राप्तसारं पाइट ते का कु तर्फे वा सा पावते होय।

१० अगस्त १९६५ विना टी. ए. एटी.
कर्म संकाय

લાદ કાડ મળતાની હાથ વિશે ર સાધન ન આપવા
વિષ જાણે : હાદ ગાંગિયાન તર્ફો પણ કરી ન હિંદ
વિટ રાત્રા તર્ફ તો એ ચિકારો નામાં : એ રાણીની
યાદું છું ભ રાજ બુદ્ધિની કાડ ર હાથ્ય નાં : ||
દ્વિં ચિકારો રૂંધ ન સાધા : એ ગુરુનાં : ||

११ यारेगाहीं नाइटा को पराता भिन्नता ।
परिक्षणार्थी न टिके उ पापा वारामा निम्नांकन ब्राह्मण
उधीरुचि वा चाप्त --

(५) नैतिक महात्मा गांधी के विज्ञान के दृस्त का चयन सामाजिक दृति के मनोविज्ञान का एक प्रमुखता के अधिनियम का ज्ञापनी ।

(स) प्रशिक्षणार्थी पाइटों का विभिन्न श्रेणियों से भर्ती किए गए परिवासीय ग्रन पाइटों का आपात वरिष्ठना, उनके प्रशिक्षण की मानवतावृद्धि अभावित तथा यापेक्षित पराला उत्तर्पन करने पर कार्याद्द से उस क्षमतानुसार निर्धारित को आपाती जगत्मे ऐ प्रशिक्षणार्थी पाइट के रूप में भर्ती किए गए हैं, इसमें उनको किसी भी श्रेणी में पाइट के रूप में भर्ती की तारीख तक उन श्रेणी के लिए निर्धारित की गई प्रशिक्षण को प्रवाहित पर विदार नहीं किया जाएगा।

१३ श्रिंगारार्थी पाइलटों से सबधित वज्रीके।

मास्टर एफ. जी प्रमाणपत्र धारण करने का रु 4500/-प्रतिमाह
शाला प्रधिकारी

प्रथम मेट एक जो ड्रेग भास्टर धारण करने वाला प्रगिक्षणार्थी रु. 3500/-प्रतिमाह

द्वितीय मेट एफ जी ड्रेज मेट ब्रेड-1 धारण करते
द्वारा प्रशंसनार्थी रु 3300/-प्रतिमाह

दी ०७ रात्रि का प्रथम श्रेणी म उत्तोर्ण प्रसारण
पव धारण दुर्र वना प्रशिक्षणार्थी रु. ३२०० प्रतिपाद्य

पांडितार्थी स्तारु • ४ 3000/- रुपये दूसरे तथा तीसरे वय
रु 100 की बेनतवस्ति भर्दिए।

(बजीफे न साथ प्रगतिशार्थी पाइलटों को संस्थान में अवधा पाठ्यक्रम तथा परीक्षा में सम्मिलित होने के सिवाय, पाइलटों को आज भी बड़ी भत्ता दिया जाएगा)

13 यात्रा भत्ता/दिनिक भत्ता

प्रशिक्षणार्थी पाइलट को बोर्ड द्वारा समय-समय पर प्रविधित किए गए भत्ता के अनुमान यात्रा भत्ता/दिनिक भत्ते का मूल्यानुक्रम किया जाएगा।

14 अनुशासन —

प्रशिक्षण काल के दौरान किसी प्रशिक्षणार्थी पाइलट का प्राचरण और कार्य प्रयोग संबोधनक तरीके पात्रा भत्ता तथा प्रशिक्षणार्थी पाइलट के रूप में उसकी नियुक्ति किसी भी प्रकार की सोटिस या कारण बताएँ जिस प्रश्नक द्वारा समाप्त की जा सकती है।

15. बंधपत्र का निष्पादन

प्रशिक्षणार्थी पाइलट के रूप में बुनियादि पर पदभार प्रदण करने से पूर्व एक ऐसा बंधपत्र निष्पादित करना होगा कि निर्धारित प्रशिक्षण पूरा होने से पहले पर्याप्त तरीका आता है तो वह उसके प्रशिक्षण पर किए गए सभी समस्त अध्ययन, सशमन प्राधिकारी द्वारा जैसा निर्धारित किया जाएगा, की प्रदायगी कंडला पोर्ट ट्रस्ट को करेगा।

टिप्पणी— सफलता से प्रशिक्षण पूरा करने और कंडला पोर्ट ट्रस्ट से प्रशिक्षणार्थी द्वारा पाइलट के रूप में नियुक्त होने पर वह अन्य बातों के समय-समय समय-समय पर यथासंशोधित 'कंडला पोर्ट (पाइलट) का प्राधिकार' विनियम, 1964 द्वारा प्राप्ति होगा।

16 निर्विचान :-

किसी भी विनियम अध्यवा प्रयुक्ति के निवर्बन में कोई संतेह अध्यवा राय से विवाद होने के मामले में वह सामना अध्यवा को निर्विचित किया जाएगा, जिसका निर्णय अंतिम होगा।

17 विनियमों के प्रावधानों में शिखिष्टकरण

इस पर्याप्त किसी बात के अध्ययन होने हुए भी प्रश्न उसके विवेकानुसार प्रत्यावरणकर्ता अध्ययन कार्य अध्यवा परिस्थितियों में ऊपर बनाए गए किसी भी विनियम को शिखित कर मस्तका है तथा इससे संबंधित उनके द्वारा लिखित रूप में प्रभिन्निति किया जायेगे।

[प्र. नं. पी. प्रार. 12012/15/12-पी. ई-1]

प्रधान जारी गयुक्त मन्त्री

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 12th October, 1992

G.S.R. 806(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 124, read with sub-section (i) of Section 123 of the Major Ports Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Kandla Port Pilot Service (Training, Grading & Seniority) Regulations, 1992 made by the Board of Trustees of the Port of Kandla and set out in the Schedule annexed to this Notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the Official Gazette.

SCHEDULE

In exercise of the powers conferred by Section 28 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Board of Trustees of the Port of Kandla hereby make the following regulations, namely :—

1. Short title, commencement and application : (i) These regulations shall be called the Kandla Port Pilot Service (Training, Grading and Seniority) Regulations 1992.

(ii) They shall apply to Trainee Pilots of the Kandla Pilot Service.

2. Definitions : In these regulations, unless the context otherwise requires—

(a) "Act" shall mean the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963) as amended from time to time.

(b) "Board" shall mean the Board of Trustees of the Port of Kandla.

(c) "Chairman" shall mean the Chairman of the Port of Kandla.

(d) "The Kandla Pilot Service" shall mean the service constituted by the Board of Trustees of the Port of Kandla.

(e) "Deputy Conservator, Marine Department" shall mean the officer in whom the direction and management of pilotage are vested.

(f) "Harbour Master" shall mean the officer appointed by the Board to perform such duties as may, from time to time, be assigned by the Deputy Conservator.

(g) "Service" shall mean the Kandla Pilot Service.

(h) "Chief Medical Officer" shall mean the officer for the time being holding the post in the Port of Kandla.

(i) "Appointing authority" shall have the same meaning as prescribed in the Kandla Port (Recruitment, Seniority & Promotion) Regulations.

3 Entry Qualification :

Qualification required for entry into the Kandla Pilot Service may be any one of the following, viz.—

(i) Certificate of competency as Master (Foreign Going)

OR

(ii) Certificate of competency as Dredge Master Grade I/First Mate (Foreign Going).

OR

(iii) Certificate of competency as Dredge Mate Grade I/Second Mate (Foreign Going).

OR

(iv) First Class passing out certificate of T. S. Rajendra

OR

(v) Degree of a recognised University with at least 50 per cent Marks in Physics and Mathematics as compulsory subjects.

OR

(vi) First Class engineering Graduates.

Note : Candidates for Pilot Service should obtain certificate of Physical fitness from such medical authority as may be prescribed by the Board for the purpose.

Age limit :

(1) Below 26 years for trainees from T.S. Rajendra and under Graduate Entry Scheme. 28 years for Engineering candidate.

(2) Below 35 years for others.

4. Grade designation :

(i) An entrant to the Kandla Pilot Service shall be known as a Trainee Pilot.

5. Training of Trainee Pilot possessing the Certificate of competency as Master (Foreign Going)

(i) The Trainee Pilot possessing the Certificate of competency as Master (Foreign Going) shall serve a period of training of not less than one month with senior Pilot and Harbour Master to acquire experience in seamanship and navigation in and around Kandla Port approaches and its creek, or till such time he attends minimum of 30 acts of pilotage, involving of crossing the channel whichever is later. On completion of the training, the trainee may if recommended by Harbour Master and subject to approval of Deputy Conservator, apply to be examined for grant of Restricted Pilotage Licence.

(ii) On completion of further period of two months as a Restricted Pilot, he shall on recommendation of Harbour Master appear before an Examination Board consisting of Master of Indian Ship, Harbour Master and Deputy Conservator.

(iii) On passing the above examination and on their recommendations, the candidate shall become eligible for appointment as Probationary Pilot.

6. Trainee Pilots possessing the Certificate of Competency as 1st Mate (F.G.)|Dredge Master Gr. I

(i) Trainee Pilots possessing the Certificate of Competency as 1st Mate (F.G.)|Dredge Master Gr. I shall serve a period of training of three months with senior Pilots and Harbour Master during which he must attend a minimum of 150 jobs to acquire experience in seamanship and navigation in and around Kandla Port approaches and its creek. He shall, thereafter, on recommendations of H.M. and

approval of D.C., be examined for grant of Restricted Pilotage Licence which will authorise him to pilot ships of 11000 GRT from OTB to inner harbour in day time and vice versa.

(ii) On completion of six months as independent Pilot of Restricted Licence, he shall appear before an examination Board consisting of Master of an Indian ship, H.M. & D.C.

(iii) On passing the above examination and the recommendations, the candidate shall become eligible for appointment as Probationary Pilot.

7. Trainee Pilots possessing the Certificate of Competency as 2nd Mate (F.G.)/Dredge Mate Gr. I

(i) Trainee Pilots possessing the Certificate of Competency as 2nd Mate(FG)|Dredge Mate Gr. I shall serve a period of training of nine months with Senior Pilots and HM during which he must attend a minimum of 300 jobs to acquire experience in seamanship and navigation in and around Kandla Port approaches and its creek. He shall, thereafter, on recommendations of HM and approval of DC, be examined for grant of Res'tricted Pilotage Licence which will authorise him to pilot ships of 11000 GRT from OTB to inner harbour in day time and vice versa.

(ii) On completion of six months as independent Pilot of Restricted Licence, he shall appear before an Examination Board consisting of Master of an Indian ship, H.M. & D.C.

(iii) On passing the above examination and the recommendations the candidate shall become eligible for appointment as Probationary Pilot.

8. Trainee Pilots possessing the First Class, passing out Certificate of "T. S. Rajendra".

(i) He shall initially be posted on harbour tugs, dredger, Pilot launches etc. for a period of 12 months to undergo training to learn full aspects of dredging and its control and monitoring. Thereafter, trainees would be assessed for their competence and would be sent to Bombay for completing Radar Observers Course, proficiency in Survival of Craft and Advance Fire Fighting Course.

(ii) On passing above examinations trainees would serve a period of nine months with Senior Pilots and Harbour Master. He shall, thereafter on recommendations of H.M. and approval of D.C., be examined for grant of Restricted Pilotage Licence which will authorise him to pilot ships of 11000 GRT from OTB to inner harbour in day time and vice versa.

(iii) On completion of six months as independent Pilot of Restricted Licence, he shall appear before an Examination Board consisting of Master of an Indian ship, H.M. & D.C.

(iv) On passing the above examination and the recommendations, the candidate shall become eligible for appointment as Probationary Pilot.

9. Training of Trainee Pilots under Graduate Entry Scheme.

(i) Trainee Pilots holding Science degree with at least 50 per cent marks in Physics and Mathematics as compulsory subjects and First Class Engineering

Graduates, from any recognised University would on appointment be sent to a training Institute for academic training in Marine subjects for six months.

(ii) After completion of training in the Institute the Trainee Pilots would be required to appear for examination to be held by the said Institute, which would cover theoretical aspects of the syllabus of Second Mates and First Mates Examination.

(iii) After successful completion of training and passing Pilot examination, the trainees would be placed on KPT vessels such as tugs, survey boats, pilot vessels etc. and Dredging Corporation of India dredgers working at Kandla Port to enable them to acquire experience in seamanship and navigation and knowledge of Kandla Port approaches navigation channel and Kandla creek. They would be required to stay on such ship for atleast 18 months. They would be also required to learn full aspects of dredging and its control and monitoring. Thereafter, trainees would be assessed for their competence and only those persons with a potential for pilotage would be sent to Bombay for completing Radar Observers Course, proficiency in Survival of Crafts and Advance Fire Fighting Course.

(iv) At the conclusion of training as mentioned above, trainees would appear for Second Mates Ltd. Examination to be conducted by Mercantile Marine Department (Government of India).

(v) On passing above examination, trainees would serve a period of nine months with senior pilots and Harbour Master. He shall, thereafter, on recommendations of H.M. and approval of D.C., be examined for grant of Restricted Pilotage Licence which will authorise him to pilot ships of 11000 GRT from OTB to inner harbour in day time and vice versa.

(vi) On completion of six months as independent Pilot of Restricted Licence, he shall appear before an Examination Board consisting of Master of an Indian Ship, H.M. & D.C.

(vii) On passing the above examination and the recommendations, the candidate shall become eligible for appointment as Probationary Pilot.

10. Failure to pass an examination in the prescribed period of training.

In the event of a Trainee Pilot failing to pass any of the specified examination within the prescribed period even after availing of a maximum of three chances, his appointment as Trainee Pilot will be liable to be terminated forthwith without any notice or reasons whatsoever.

11. Inter-se seniority of Trainee Pilots

The inter-se seniority of Trainee Pilots shall be determined on the following basis:—

(a) In a batch, their inter-se seniority will be in accordance with the order of merit as determined by the Selection Committee of Kandla Port Trust at the time of selection;

(b) The inter-se seniority of the Probationary Pilots appointed from various categories of Trainee Pilots on successful completion of

their training and passing of the required examination, shall be determined strictly in order in which they are appointed as Probationary Pilots irrespective of their date of appointment as Trainee Pilots in any category and the period of training prescribed for such category.

12. Scale of stipend to Trainee Pilots.

Trainee with Master F.G. Certificate	: Rs. 4500 p.m.
Trainee with 1st Mate F.G. Dredge Master	: Rs. 3500 p.m.
Trainee with 2nd Mate F.G. Dredge Mate Gr. I	: Rs. 3300 p.m.
Trainee with First Class passing Certificate of T.S. Rajendra	: Rs. 3200 p.m.
Trainee Graduates—Rs. 3000 p.m. with an increment of Rs. 100 in the 2nd and 3rd year.	

(In addition to the stipend, the Trainee Pilots shall be paid uniform allowance admissible to the Pilots except while in institute or attending course and examination).

13. T.A./D.A. : The trainee pilots shall be paid TA/DA as per the scale as may be laid down from time to time by the Board.

14. Discipline :

During the course of Training, if the conduct and performance of any trainee Pilot is not found to be satisfactory, his appointment as Trainee Pilot will be liable to be terminated without notice or reasons, whatsoever by the Chairman.

15. Execution of Bond :

On being selected as a Trainee Pilot, he shall execute, before joining, a bond that he shall pay to the Kandla Port Trust the entire expenditure incurred on his training as may be determined by the competent authority, if he leaves before completion of prescribed training.

Note :—On completion of successful training and subsequent appointment as Probationary Pilot in KPT, he shall, inter alia, be governed by the Kandla Port (Authorisation of Pilots) Regulations, 1964, as amended from time to time.

16. Interpretation :

In case of any doubt or difference of opinion about the interpretation of any of the Regulations or the application, it shall be referred to the Chairman, whose decision shall be final.

17. Relaxation of provisions of the regulations :

Notwithstanding anything contained hereinbefore, the Chairman, may, at his discretion, relax any of the regulations mentioned above in exigencies or work or situation, the reasons for which shall be recorded by him in writing.

[No. PR-12012|15|92-PE.I]
ASHOKE JOSHI, Jt. Secy.